PIROXOFOP-PROPANYL (CLODINAFOP-PROPARGYL) 15% WP

POINT

(Herbicide)

This is a post emergence herbicide with excellent control in most of the important grass weeds in small grain cereals such as wheat containing 150 gms of Clodinafop-propargyl ester per kilogram of wettable powder formulation.

Chemical Composition:-

Chemical		Composition
Clodinafop-Propargyl a.i.		15.00% w/w
Safner : Cloquintocet-mexyl		3.75% w/w
Additive : Alkoxylated alcohol		44.00% w/w
Dispersing agent : Sodium N-methyl N-oleoyl-taurate		4.00% w/w
Carriers : Silicic acid		QS to make 100
	Total :	**100.00 % w/w**

Use Recommendations:-

Crop (s)	Common Name of Weeds	Dosage/Ha			Waiting period from last spray to harvest (days)
		A.I. (gm)	Formulation (gm)	Dilution in water (Ltr)	
Wheat	*Phalaris minor*	60	400	375-400	110

Time of Application:-

This herbicide is recommended for post emergence application i.e. 30-35 days after sowing of wheat crop (when *Phalaris minor* is 3-4 leaf stage).

Direction of use:-

PLANT PROTECTION EQUIPMENT

It can be applied through Knapsack sprayer fitted with flat fan nozzle. The minimum water volume to be used is 375 lts per ha.

RE-CROPPING FLEXIBILITY

This is quickly degraded in the soil and has little or no soil activity. There is no recropping restriction.

MODE OF UPTAKE

This herbicide is taken up through leaves of grass weeds. Active growth of susceptible grasses ceases within 48 hours after application. Symptoms are observed within one to three weeks depending on environmental condition and species involved. Decay of nodes and growing points is visible with young leaves showing chlorosis followed by necrosis.

PREPARATION OF SPRAY SOLUTION

(A) Mixing outside the Knapsack:-

It is recommended to first mix this herbicide with clean water in a large container of sufficient size such that the complete number of knapsack load that are required for the sprayer are prepared at one time. Fill the container 1/3 or 1/2 full of clean water & add this herbicide. Gently stir until the product has dissolved then fill the knapsack sprayer directly with the mixed solution must be at the final concentration. Do not make a concentrate stock solution (slurry) which required further dilution in the knapsack later on.

(B) Mixing directly in to the Knapsack sprayer :-

Fill the knapsack tank 1/3 or 1/2 full of clean water and put the water soluble bag of herbicide. Gently strike until the soluble bag and its contents fully dissolved and then add the rest of the water to the tank.

Storage Conditions:-

1. The packages containing the herbicides shall be stored in separate rooms or premises, away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide.
2. The rooms or premises meant for storing the herbicides shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimensions to avoid environmental pollution

Disposal of Used Containers:-

1. It shall be the duty of manufacturer, formulators of herbicide and operator to dispose packages surplus materials and washings from the machine and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.
2. The used packages should not be left outside to prevent their re use.
3. Packages shall be broken and burried away from the habitation.

Precaution :-

1. Keep away from food stuffs, empty foodstuff containers and animals food.
2. Avoid contact with mouth, eyes and skin.
3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind..
4. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.
5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.
6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms of poisoning:-

Dyspnea, salivation, decreased activity and eye, skin irritation may occur.

First aid :-

1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious.
2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water.
3. If eyes are contaminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes.
4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Antidote:-

No specific antidote is known. Treat symptomatically.

CAUTION : Not to be used on crops other than specified on this leaflet

Manufactured by : NACL Industries Limited

(formerly known as 'Nagarjuna Agrichem Limited'), **Regd.Off.:** Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers, Nagarjuna Hills, Panjagutta,Hyderabad - 500 082, Telangana, India. **Factory:** Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.

पाइरॉक्सोफॉप-प्रोपानिल(क्लॉडिनाफॉप-प्रोपार्गिल) 15% डब्ल्यू पी

पॉइन्ट

(खरपतवारनाशक)

यह एक उद्भव पश्चात खरपतवारनाशक है जो कि छोटे दाने वाले खाद्यान्नों जैसे कि गेहूं में उगने वाली ज़्यादातर घास प्रजाति के खरपतवारों की अतिउत्तम रोकथाम करता है. इसके घुलनशील पाउडर फॉर्म्यूलेशन के प्रत्येक किलोग्राम में 150 ग्राम क्लॉडिनाफॉप-प्रोपार्गिल ईस्टर है.

रासायनिक संयोजन:

रसायन:	संयोजन
क्लॉडिनाफॉप-प्रोपार्गिल स.त.	15.00% व/व
सेफनर: क्लोक्विंटोसेट-मेक्सिल	3.75% व/व
एडिटिव: एल्कोक्सिलेटेड एल्कोहॉल	44.00% व/व
छितराने वाले तत्व : सोडियम-एन-मिथाइल-एन-ओलियाइल-टॉरेट	4.00% व/व
वाहक: सिलिसिक एसिड	100 के लिए पर्याप्त परिमाण
कुल :	**100.00% व/व**

सिफारिशें :

फसलें	खरपतवार का प्रचलित नाम	मात्रा/हेक्टेअर			अंतिम छिड़काव से फसल प्राप्ति के बीच की प्रतीक्षा अवधि (दिनों में)
		स.त. (ग्राम)	दवा की मात्रा (ग्राम)	पानी की मात्रा (लीटर)	
गेहूं	*गुल्ली डंडा*	60	400	375-400	110

इस्तेमाल का समय:

इस खरपतवार के उद्भव पश्चात अर्थात गेहूं की फसल की बुआई के 30-35 दिनों के बाद (जबकि गुल्ली डंडा 3-4 पत्ती की अवस्था में हो) इस्तेमाल की सलाह दी जाती है.

इस्तेमाल का तरीका:

पौध सुरक्षा उपकरण

इसका इस्तेमाल फ्लैट फैन नोजल लगे नैपसेक स्प्रेयर के ज़रिए किया जा सकता है. प्रति हेक्टेयर के लिए 375 लीटर पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए.

पुन: फसल प्राप्ति में अनुकूलता

यह मिट्टी में तेजी से अपघटित हो जाता है और मिट्टी में इसकी क्रियाशीलता बहुत कम या बिल्कुल नहीं होती है. पुन: फसल प्राप्ति की कोई बाधा नहीं होती है.

ग्रहण करने का तरीका

इस खरपतवारनाशक को घास वाले खरपतवारों की पत्तियों द्वारा ग्रहण किया जाता है, जिससे इस्तेमाल के 48 घंटों के अंदर प्रभावित घास की सक्रिय वृद्धि रूक जाती है. पर्यावरण संबंधी दशा तथा खरपतवार की प्रजातियों के अनुसार एक से तीन हफ्तों में छिड़काव के परिणाम दिखाई देते हैं. गाठों और वृद्धि वाले हिस्सों पर गलन के साथ-साथ कोमल पत्तियों पर पीलेपन के साथ चकत्ते नज़र आने लगते हैं.

छिड़काव घोल बनाना:

अ) नैपसेक के बाहर मिश्रण तैयार करना:

सलाह दी जाती है कि पहले एक पर्याप्त बड़े बर्तन में साफ पानी में इस खरपतवारनाशक को घोल लें, ताकि नैपसेक स्प्रेयर द्वारा छिड़की जाने वाली पूरी मात्रा एक बार में ही तैयार हो जाए. बर्तन के 1/3 या 1/2 हिस्से को साफ पानी से भरें और खरपतवारनाशक मिलाएं. इसे धीरे-धीरे हिलाते रहें ताकि खरपतवारनाशक पूरी तरह घुल जाए. अब इस घोल को नैपसेक स्प्रेयर में भर दें. यही उचित गाढ़ेपन वाला घोल इस्तेमाल करें, पहले से गाढ़ा घोल बनाकर उसे नैपसेक में डालते समय पतला न करें.

ब) नैपसेक स्प्रेयर में सीधे मिश्रित करना:

नैपसेक के टैंक में 1/3 या 1/2 हिस्सा साफ पानी भरें और उसमें खरपतवार का पानी में घुलनशील बैग डालें. इस हल्के-हल्के चलाते रहें ताकि घुलनशील बैग और उसकी सामग्री घुल जाए.

भंडारण की दशाएं:

1. खरपपतवार के डिब्बों को अन्य वस्तुओं, ख़ासतौर से खाद्य-पदार्थ रखे जाने के कमरों या परिसरों से अलग कमरों या परिसरों में भंडारित किया जाना चाहिए या खरपतवारनाशकों की मात्रा और प्रकृति के अनुसार अलग अलमारियों में ताला बंद करके रखा जाना चाहिए.
2. खरपतवारनाशक के भंडारण के लिए बने हुए कमरे अच्छी तरह निर्मित, सूखे हुए, रोशनीदार, हवादार और पर्याप्त बड़े होने चाहिए ताकि उनकी वाष्प से कोई प्रदूषण न हो.

खाली डिब्बों का निपटारा :

1. यह दवा के घोल बनाने वाले और उसका इस्तेमाल करने वाले की जिम्मेदारी होगी खाली डिब्बों, बची हुई सामग्री तथा मशीन और डिब्बों की धोवन का इस्तेमाल सुरक्षित तरीके से करे जिससे पर्यावरण या जल प्रदूषण न हो.
2. खाली डिब्बों को खुले में नहीं फेंका जाना चाहिए ताकि उसका दोबारा इस्तेमाल न हो.
3. डिब्बों को तोड़फोड़ कर रिहायशी बस्ती से दूर जमीन में गाड़ दिया जाना चाहिए.

सावधानियां:

1. खाद्यान्नों, खाद्य-पदार्थों के खाली डिब्बों तथा पशु आहार से दूर रखें.
2. मुंह, आंखों तथा त्वचा पर लगने से बचाएं.
3. दवा की धुंध में सांस लेने से बचें. हवा की दिशा में छिड़काव करें.
4. छिड़काव के बाद प्रदूषित कपड़ों और शरीर के हिस्सों को अच्छी तरह धो लें.
5. छिड़काव करते समय न तो कुछ खाए-पीएं और न ही धूम्रपान करें और ना ही कुछ चबाएं.
6. घोल बनाते समय तथा छिड़काव करते समय पूर्ण सुरक्षाकारी वस्त्र पहनें.

जहर चढ़ने के लक्षण :

सांस लेने में कष्ट, निष्क्रियता तथा आंख व त्वचा में जलन पैदा होना.

प्राथमिक उपचार :

1. अगर दवा निगल ली गई हो तो गले के पीछे की तरफ गुदगुदी करके उल्टी कराएं. इसे तब तक दोहराते रहें जब तक कि उल्टी का रंग साफ न हो जाए. अगर रोगी बेहोश हो तो उल्टी कराने की कोशिश न करें.
2. अगर कपड़े और त्वचा प्रदूषित हो गई हों तो कपड़ों को उतार दें तथा प्रदूषित त्वचा को साबुन और पानी की भरपूर मात्रा से अच्छी तरह धोएं.
3. अगर आंखें प्रदूषित हो जाती है तो सलाइन/स्वच्छ पानी से आंखों को 10 से 15 मिनट तक अच्छी तरह छपछपाएं.
4. अगर दवा को निगल लिया गया हो तो रोगी को खुली हवा में ले जाएं.

औषधोपचार:

कोई विशेष औषधोपचार नहीं. लक्षण में अनुसार उपचार करें.

सावधान: इस निर्देश पत्रिका में निर्देशित ना किये गये फसलों पर इस्तेमाल ना करे.

उत्पादक: ऐन.ऐ.सी.एल. इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(पूर्व में नागार्जुना अग्रिकेम लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) प्लाट नं. १२-ए, सी ब्लॉक, लक्ष्मी टॉवर्स,नागार्जुना हिल्स, पंजागुट्टा, हैदराबाद-५०० ०८२, तेलंगाणा, भारत, **कर्मागार:** ईतकोटा-५३३ २३८, तु.गो. जिल्ला, आंध्रप्रदेश.

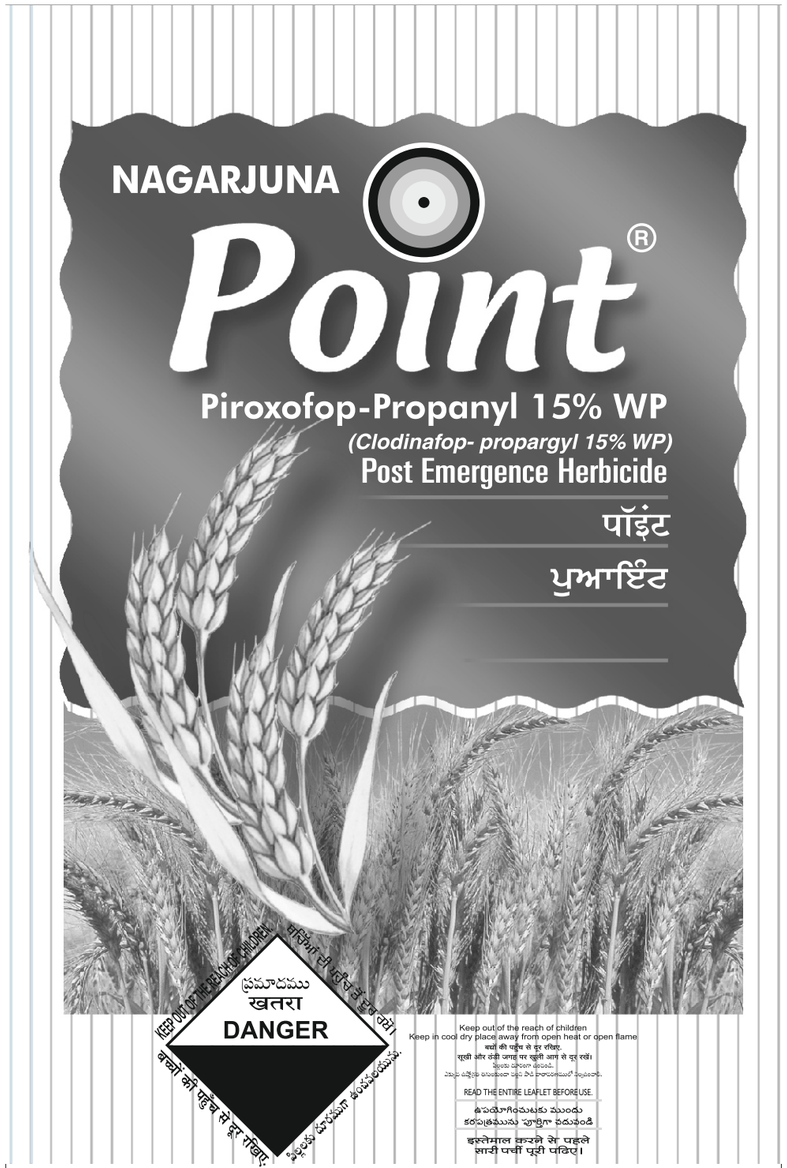

NACL/H/POINT/04/JULY18

Manufactured by :

NACL Industries Limited

(formerly known as 'Nagarjuna Agrichem Limited')

CIN:L24219TG1986PLC016607

Regd.Off.: Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers, Nagarjuna Hills, Panjagutta, Hyderabad - 500 082, Telangana, India.

Ph: 040-33605123, Fax:040-23350234

Website: www.naclind.com, E-mail:info@naclind.com

Factory: Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.

NAGARJUNA NACL

EMPTY PACKAGES/CONTAINERS SHOULD BE DESTROYED AFTER USE

POINT® is Registered Trade Mark of NACL Industries Limited

MANAGER (CUSTOMER CARE) NACL INDUSTRIES LIMITED
PLOT NO.12-A, 'C' BLOCK, LAKSHMI TOWERS, NAGARJUNA HILLS, PANJAGUTTA, HYDERABAD - 500 082, TELANGANA, INDIA.
PH: 040-33605123, E-MAIL:CUSTOMERCARE@NACLIND.COM

Warranty: The Recommendation made in this literature are offered in good faith based on the results of officially approved private tests. However, no responsibility will be accepted by us for any injury or damage arising from the use of our product as we cannot exercise any control over storage, handling or application.

Size: H: 245 W:130mm

ਪਿਰੋਕਸੋਫ਼ਾਪ - ਪ੍ਰੋਪਾਨਿਲ (ਕਲੋਡਿਨਾਫ਼ਾਪ-ਪ੍ਰੋਪਾਰਗਿਲ) 15% ਡਬਲਯੂ. ਪੀ.

ਪੁਆਇੰਟ

(ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ)

ਇਹ ਇਕ ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਛੋਟੇ ਦਾਣੇ ਵਾਲੇ ਅਨਾਜਾਂ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਕਣਕ ਵਿੱਚ ਉੱਗਣ ਵਾਲੀ ਜਿਆਦਾਤਰ ਘਾਹ ਪ੍ਰਜਾਤੀ ਦੇ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਬਿਹਤਰੀਨ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਰੋਕਥਾਮ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਘੁਲਣਸ਼ੀਲ ਪਾਊਡਰ ਸੂਤਰੀਕਰਣ ਦੇ ਹਰ ਇਕ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਵਿੱਚ 150 ਗ੍ਰਾਮ ਕਲੋਡਿਨਾਫ਼ਾਪ- ਪ੍ਰੋਪਾਰਗਿਲ ਈਸਟਰ ਹੈ।

ਰਸਾਇਨਿਕ ਮਿਸ਼ਰਨ :

ਰਸਾਇਨਿਕ	ਸੰਯੋਜਨ
ਕਲੋਡਿਨਾਫ਼ਾਪ- ਪ੍ਰੋਪਾਰਗਿਲ ਏ.ਆਈ.	15.00% ਵ/ਵ
ਸੇਫ਼ਨਰ : ਕਲੋਕਵਿੰਟੋਸੇਟ - ਮੇਕਸਿਲ	3.75% ਵ/ਵ
ਐਡੀਟਿਵ : ਐਲਕੋਕਸੀਲੇਟੇਡ ਅਲਕੋਹਲ	44.00% ਵ/ਵ
ਫੈਲਣ ਵਾਲੇ ਤੱਤ : ਸੌਡੀਯਮ - ਐਨ - ਮਿਥਾਇਲ - ਐਨ - ਆਲਿਆਇਲ - ਟਾੱਰੇਟ	4.00% ਵ/ਵ
ਵਾਹਕ : ਸਿਲਿਸਿਕ ਐਸਿਡ	100 ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ
ਕੁਲ :	**100.00 % ਵ/ਵ**

ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ਾਂ :

ਫਸਲ	ਨਦੀਨ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ/ਹੇਕਟਰ			ਅੰਤਿਮ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅੰਤਰਾਲ (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)
		ਏ.ਆਈ. (ਗ੍ਰਾਮ)	ਸੂਤਰੀਕਰਣ (ਗ੍ਰਾਮ)	ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ (ਲਿ.)	
ਕਣਕ	ਗੁੱਲੀ ਡੰਡਾ	60	400	375-400	110

ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਮਾਂ :

ਇਸ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਯਾਨੀ ਕਿ ਕਣਕ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਦੇ 30-35 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਬਾਅਦ (ਜਦੋਂ ਕਿ ਗੁੱਲੀ ਡੰਡਾ 3-4 ਪੱਤੇ ਦੀ ਅਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਹੋਵੇ) ਇਸਤੇਮਾਲ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ :

ਪੌਦਾ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਕਰਣ

ਇਸ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਫ਼ਲੈਟ ਫੈਨ ਨੋਜ਼ਲ ਲੱਗੇ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੇ ਜਰੀਏ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸੱਕਦਾ ਹੈ। ਪ੍ਰਤਿ ਹੇਕਟਰ ਲਈ 375 ਲਿਟਰ ਪਾਣੀ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਪੁਨਰ ਫ਼ਸਲ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਵਿੱਚ ਅਨੁਕੂਲਤਾ

ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਤੇਜੀ ਨਾਲ ਮਿਲ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਇਸਦੀ ਕ੍ਰੀਆਸ਼ੀਲਤਾ ਬਹੁਤ ਘੱਟ ਜਾਂ ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਪੁਨਰ ਫ਼ਸਲ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਵਿੱਚ ਕੋਈ ਰੁਕਾਵਟ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ :

ਇਸ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਘਾਹ ਵਾਲੇ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀਆਂ ਪੱਤੀਆਂ ਦੁਆਰਾ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਿਸਦੇ ਕਾਰਣ ਇਸਤੇਮਾਲ ਦੇ 48 ਘੰਟਿਆਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਘਾਹ ਦਾ ਕਿਰਿਆਸ਼ੀਲ ਵਾਧਾ ਰੁਕ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਵਾਤਾਵਰਣ ਸੰਬੰਧੀ ਅਵਸਥਾ ਅਤੇ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਜਾਤੀਆਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਕ ਤੋਂ ਤਿੰਨ ਹਫ਼ਤਿਆਂ ਵਿੱਚ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਨਤੀਜੇ ਨਜਰ ਆ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਗੰਢਾਂ ਅਤੇ ਵਾਧੇ ਵਾਲੇ ਹਿੱਸਿਆਂ ਤੇ ਗਲਨ ਦੇ ਨਾਲ - ਨਾਲ ਨਰਮ ਪੱਤੀਆਂ ਤੇ ਪੀਲੇਪਨ ਦੇ ਨਾਲ ਧੱਬੇ ਨਜਰ ਆਉਣ ਲੱਗਦੇ ਹਨ।

ਮਿਸ਼ਰਣ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ :

ਅ) ਨੈਪਸੈਕ ਦੇ ਬਾਹਰ ਮਿਸ਼ਰਣ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ

ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਪਹਿਲੇ ਇਕ ਕਾਫੀ ਵੱਡੇ ਭਾਂਡੇ ਵਿੱਚ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਘੋਲ ਲਓ, ਤਾਂ ਕਿ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੇ ਜਰੀਏ ਛਿੜਕਾਅ ਕੀਤੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਪੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਇਕ ਵਾਰੀ ਵਿੱਚ ਹੀ ਤਿਆਰ ਹੋ ਜਾਏ। ਭਾਂਡੇ ਦੇ 1/3 ਜਾਂ 1/2 ਹਿੱਸੇ ਨੂੰ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਭਰੋ ਅਤੇ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਮਿਲਾਓ।

ਇਸਨੂੰ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਮਿਲਾਂਦੇ ਰਹੋ ਤਾਂ ਕਿ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਘੁਲ ਜਾਏ। ਹੁਣ ਇਸ ਘੋਲ ਨੂੰ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੇ ਵਿੱਚ ਭਰ ਦਿਉ। ਉਚਿਤ ਗਾੜੇਪਨ ਵਾਲੇ ਇਸ ਘੋਲ ਦਾ ਹੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ, ਪਹਿਲੇ ਤੋਂ ਗਾੜਾ ਘੋਲ ਬਨਾਕੇ ਉਸਨੂੰ ਨੈਪਸੈਕ ਵਿੱਚ ਪਾਉਦੇਂ ਵੇਲੇ ਪਤਲਾ ਨਾ ਕਰੋ।

ਬ) ਸਿੱਧੇ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਿੱਚ ਮਿਸ਼ਰਣ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ

ਨੈਪਸੈਕ ਦੀ ਟੰਕੀ ਦੇ 1/3 ਜਾਂ 1/2 ਹਿੱਸੇ ਨੂੰ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਭਰੋ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦਾ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਘੁਲਣਸ਼ੀਲ ਬੈਗ ਮਿਲਾਓ। ਇਸ ਨੂੰ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਚਲਾਂਦੇ ਰਹੋ ਤਾਂ ਕਿ ਘੁਲਨਸ਼ੀਲ ਬੈਗ ਅਤੇ ਉਸਦੀ ਸਾਮਗ੍ਰੀ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਘੁਲ ਜਾਏ।

ਭੰਡਾਰਣ ਦੀ ਸਥਿਤੀ :

1. ਜਿਹੜੇ ਡੱਬਿਆਂ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ, ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਦੂਸਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ, ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਭੋਜਨ ਸਾਮਗ੍ਰੀ, ਨੂੰ ਰਖੱਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਪਰਿਸਰ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦੂਸਰੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਪਰਿਸਰ ਵਿੱਚ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਸਵਰੂਪ ਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਅਲੱਗ ਅਲਮਾਰੀ ਵਿੱਚ ਜਿੰਦਰਾ ਚਾਬੀ ਲਗਾ ਕੇ ਰਖੱਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
2. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਪਰਿਸਰ, ਸੁੱਕੇ, ਠੰਡੇ ਰੋਸ਼ਨੀਦਾਰ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਕਾਫੀ ਵੱਡੇ ਸਾਇਜ਼ ਦੇ ਬਨੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕਿ ਭਾਫ਼ ਨਾਲ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸੱਕੇ।

ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਡੱਬਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ :

1. ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਨਿਰਮਾਤਾ ਅਤੇ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਇਹ ਫ਼ਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਵਰਤੇ ਗਏ ਡੱਬੇ ਨਸ਼ਟ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਜਾਂ ਵਿਭਿੰਨ ਸਾਮਗ੍ਰੀਆਂ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਤੇ ਧੋਣ ਅਤੇ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਖਤਮ ਕਰ ਦੇਣ ਤਾਂ ਕਿ ਵਾਤਾਵਰਣ ਤੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਨੂੰ ਰੋਕਿਆ ਜਾ ਸਕੇ।
2. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਛੱਡੋ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾ ਸਕਣ।
3. ਡੱਬੇ ਤੋੜ ਦੇਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜਾਕੇ ਦਬਾ ਦੇਨੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਉਪਯੋਗਕਰਤਾ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ :

1. ਖਾਨੇ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ, ਖਾਨੇ ਦੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂਆਂ ਦੇ ਭੋਜਨ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਖੋ।
2. ਮੁੰਹ, ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਚਮੜੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚੋ।
3. ਸਪ੍ਰੇ ਦਾ ਧੁੰਆ ਸਾਹ ਨਾਲ ਅੰਦਰ ਨਾ ਜਾਵੇ. ਹਵਾ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰੋ।
4. ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਗੰਦੇ ਕਪੜੇ ਅਤੇ ਸਾਰੇ ਸ਼ਰੀਰ ਦੇ ਹਿੱਸਿਆਂ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰਾਂ ਧੋ ਲਵੋ।
5. ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨ ਦੇ ਦੌਰਾਣ ਸਿਗਰੇਟ, ਪੀਣਾ, ਖਾਨਾ ਜਾਂ ਕੁਝ ਵੀ ਚਬਾਣਾ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
6. ਮਿਲਾਨ ਅਤੇ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨ ਦੇ ਦੌਰਾਣ ਪੂਰੀ ਤਰਾਂ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਪੜੇ ਪਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਵਿਸ਼ੇਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ :

ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼, ਕਿਰਿਆਹੀਨਤਾ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਤੇ ਚਮੜੀ ਤੇ ਜਲਣ ਹੋ ਸੱਕਦੀ ਹੈ।

ਫ਼ਸਟ ਏਡ :

1. ਨਿਗਲ ਲਿਆ ਜਾਏ ਤਾਂ ਗਲੇ ਦੇ ਪਿਛਲੇ ਪਾਸੇ ਗੁਦਗੁਦੀ ਕਰਕੇ ਉਲਟੀ ਕਰਵਾ ਦਿਉ, ਤਦੋਂ ਤਕ ਕਰਵਾਓ ਜਦੋਂ ਤਕ ਕਿ ਉਲਟੀ ਦਾ ਤਰਲ ਸਾਫ਼ ਨਾ ਹੋ ਜਾਏ। ਜੇਕਰ ਮਰੀਜ ਬੇਹੋਸ਼ ਹੋ ਜਾਏ ਤਾਂ ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਵਾਓ।
2. ਜੇਕਰ ਕਪੜੇ ਅਤੇ ਚਮੜੀ ਗੰਦੇ ਹੋ ਜਾਣ ਗੰਦੇ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਦਿਉ ਅਤੇ ਚਮੜੀ ਨੂੰ ਕਾਫੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਸਾਬਨ ਨਾਲ ਧੋ ਦਿਉ।
3. ਜੇਕਰ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਗੰਦਗੀ ਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਨਮਕੀਨ / ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ 10 ਤੋਂ 15 ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਸਾਫ਼ ਕਰਦੇ ਰਹੋ।
4. ਜੇਕਰ ਸਾਹ ਨਾਲ ਅੰਦਰ ਚਲਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਮਰੀਜ ਨੂੰ ਤਾਜੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ :

ਕੋਈ ਖਾਸ ਵਿਸ਼ਨਾਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਸਾਵਧਾਨੀ: ਇਸ ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ।

ਉਤਪਾਦਕ : ਐਨ ਏ ਸੀ ਐਲ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਜ਼ ਲਿਮਿਟਡ
(ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ 'ਨਾਗਾਰਜੁਨਾ ਐਗ੍ਰੀਕੈਮ ਲਿਮਿਟਡ' ਵਜੋਂ ਜਾਣਿਆ ਕਿਆ)
ਪਲਾੱਟ ਨੰ. 12 -ਏ, ''ਸੀ'' ਬਲੱਕ, ਲਕਸ਼ਮੀ ਟਾਵਰਸ,
ਨਾਗਾਰਜੁਨਾ ਹਿੱਲਸ, ਪੰਜਾਗੁੱਟਾ, ਹੈਦਰਾਬਾਦ 500 082, ਤੇਲੰਗਾਨਾ, ਭਾਰਤ
ਭਾਰਤ ਕਾਰਖਾਨਾ : ਈਥਾਕੋਟਾ - 533238, ਈਸਟ ਗੋਦਾਵਰੀ ਜਿਲਾ, ਆਂਧਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼.

పైరోక్సోఫాప్-ప్రాపనైల్ (క్లోడినోఫాప్-ప్రాపార్గిల్) 15% డబ్ల్యుపి

పాయింట్

(కలుపునాశని)

గోధుమ లాంటి చిన్న గింజలు తృణధాన్యాల్లో అత్యంత ముఖ్యమైన గడ్డి కలుపు జాతులను సర్వోత్తమంగా నియంత్రించే మొలక అనంతర కలుపునాశని ఇది. దీనిలో ఒక్కో కిలోగ్రామ్ వెట్‌బుల్ పొడరు సూత్రీకరణలో 150 గ్రాముల క్లోడినోఫాప్-ప్రాపార్గిల్ ఎస్టర్ ఉంది.

రసాయనిక మిశ్రమం:

రసాయనం	మిశ్రమం
క్లోడినోఫాప్-ప్రాపార్గిల్ ఎ.ఐ.	15.00% బ/బ
సఫ్‌నర్ క్లోక్వింటోసెట్-మిక్సెల్	3.75% బ/బ
అడిటివ్- ఆల్కోక్సిలేటెడ్ ఆల్కహాల్	44.00% బ/బ
డిస్పర్సింగ్ ఏజెంట్: సోడియం-ఎన్-మిథైల్-ఎన్-ఒలియాయిల్-టౌరేట్	4.00% బ/బ
క్యారియర్‌లు: సిలిసిక్ యాసిడ్	100ని తయారుచేయడానికి కావలసినంత
మొత్తం:	100.00% బ/బ

సిఫారసులు :

పంట	కలుపు మొక్కల సాధారణపేరు	మోతాదులు/హెక్టారుకు			విసరి పిచికారికి మరియు కోతకు మధ్య వేచివుండవలసిన సమయం (రోజుల్లో)
		ఎ.ఐ. (గ్రా)	సూత్రీకరణ (గ్రా)	కలపవలసిన నీళ్ళు (లీటర్లు)	
గోధుమ	నేల ఉసిరిక	60	400	375-400	110

వినియోగించవలసిన సమయం:

ఈ కలుపునాశని మొలక అనంతర వినియోగం కోసం సిఫారసు చేయబడుతోంది అంటే, గోధుమ పంటను విత్తిన తరువాత 30-35 రోజులకు (నేల ఉసిరిక 3-4 ఆకుల దశలో ఉన్నప్పుడు)

వాడేందుకు సిద్ధీకరణం:

మొక్క సంరక్షణ పరికరం

ఫ్లాట్ ఫ్యాన్ నాజిల్ జిగించబడిన స్ప్రేయర్ ద్వారా దీన్ని వినియోగించవచ్చు. వాడవలసిన కనీస నీటి పరిమాణం ఒక్కో హెక్టారుకు 375 లీటర్లు.

పునర్‌పంట సదుపాయం

ఇది నేలలో త్వరగా క్షీణిస్తుంది మరియు నేల పై ఎటువంటి ప్రభావము ఉండదు లేదా కొద్దిగా ఉంటుంది. పునర్‌పంట పరిమితులు ఉండవు.

తీసుకునే విధానం

ఈ కలుపునాశని కలుపు మొక్కల ఆకులు ద్వారా తీసుకోబడుతుంది. వినియోగించిన తరువాత 48 గంటల లోపల గడ్డి చురుకుగా వృద్ధిచెందడం ఆగిపోతుంది. వాతావరణ పరిస్థితులు మరియు ప్రమేయం ఉన్న జాతుల ఆధారంగా ఒకటి నుంచి మూడు వారాల లోపల లక్షణాలు గమనించబడతాయి. గణుపులు పెరిగే పరిమాణము క్షీణించడం లేత ఆకుల్లో క్లోరోసిస్, ఆ తరువాత కణనాశనం ద్వారా కనిపిస్తుంది.

పిచికారి ద్రావకం తయారీ

(ఎ) న్యూప్‌సాక్ బయట మిశ్రమం చేయుట:

ఒకేసారి పిచికారిని తయారుచేయడానికి కావలసినంతగా పూర్తి సంఖ్యలో న్యూప్‌సాక్ లోడ్ ఉండేలా సరిపోయేంత పెద్ద కంటెయినర్‌లో పరిశుభ్రమైన నీటితో ఈ కలుపునాశనిని మొదట మిశ్రమం చేయవలసిందిగా సిఫారసు చేయబడుతోంది. కంటెయినర్‌ని 1/3 లేదా 1/2వ వంతుగా పరిశుభ్రమైన నీటిని నింపి ఈ కలుపునాశనిని కలపండి. ఉత్పాదన పూర్తిగా కరిగిపోయేంత వరకు నెమ్మదిగా కలియబెట్టండి మరియు తరువాత న్యూప్‌సాక్ స్ప్రేయర్‌ని సేరుగా తుది గాఢతలో ఉన్న మిశ్రమ ద్రావణంతో నింపాలి. న్యూప్‌సాక్‌లో మరింతగా పలచన చేయవలసివచ్చే ముడి గాఢత ద్రావణము (విక్సిని) తయారుచేయకండి.

(బి) నేరుగా న్యూప్‌సాక్ స్ప్రేయర్‌లో మిశ్రమం చేయుట:

న్యూప్‌సాక్ ట్యాంకును 1/3 లేదా 1/2వ వంతు నీటితో నింపండి మరియు నీటిలో కరిగిపోయే కలుపునాశని బ్యాగ్‌ని పెట్టండి. కరిగిపోయే బ్యాగ్ మరియు దాని పదార్థాలను నెమ్మదిగా కలపండి, తరువాత మిగతా నీటితో నింపండి

నిల్వపరిస్థితులు:

1. కలుపునాశని ఉన్న ప్యాకేజీలను ఇతర వస్తువులను ప్రత్యేకించి ఆహార వస్తువులను నిల్వచేసేందుకు ఉపయోగించే గదులు లేదా ఆవరణలకు దూరంగా వేరే గదులు లేదా ఆవరణల్లో నిల్వచేయాలి లేదా కలుపునాశని పరిమాణం మరియు స్వభావాన్ని బట్టి వేరే అల్మారాలో తాళం వేసి, ఉంచాలి.
2. నీటి ఆవిరితో కలుషితాన్ని నివారించేందుకు వీలుగా, కలుపునాశనిని నిల్వచేసేందుకు ఉద్దేశించిన గదులు లేదా ఆవరణలు బాగా పటిష్ఠంగా నిర్మించినవై, పొడిగా ఉన్నవై, మంచి వెలుతురు వచ్చేవై మరియు తగినంత చుట్టుకొలతలతో నిర్మించినవై ఉండాలి.

వాడిన కంటెయినర్‌ల విసర్జన:

1. ప్యాకేజీలను లేదా మిగిలిపోయిన మెటీరియల్‌ని మరియు యంత్రాలు మరియు కంటెయినర్‌లను కడిగిన నీటిని వాతావరణం లేదా నీటి కాలుష్యం జరగని విధంగా సురక్షితమైన పద్ధతిలో విసర్జించవలసిన బాధ్యత కలుపునాశని తయారీదారులది, సూత్రీకరణదారులది మరియు ఆపరేటర్‌ది
2. వాడిన ప్యాకేజీలను మళ్ళీ వాడకుండా నిరోధించాలంటే వాటిని ఆరుబయట పారేయకూడదు.
3. ప్యాకేజీలను పగులగొట్టి నివాస ప్రాంతాలకు దూరంగా నేలలో పూడ్చిపెట్టాలి.

ముందుజాగ్రత్తలు:

1. ఆహారపదార్థాలకు, ఖాళీ ఆహారపదార్థాల కంటెయినర్‌లకు మరియు జంతువుల ఆహారానికి దూరంగా ఉంచండి.
2. నోటికి, కళ్ళకు మరియు చర్మానికి తగలనివ్వకండి.
3. పిచికారి తుంపరలను పీల్చకండి. గాలి పీచే దిశలో పిచికారి చేయండి.
4. పిచికారి తరువాత మలినపడిన దుస్తులను బాగా ఉతకండి మరియు శరీర భాగాలను కడగండి.
5. పిచికారి చేసేటప్పుడు ధూమపానం, మద్యపానం చేయవద్దు, తినవద్దు మరియు ఏదీ నమలవద్దు.
6. మిశ్రమం మరియు పిచికారి చేసేటప్పుడు సంపూర్ణ రక్షణాత్మక దుస్తులు ధరించండి.

విష లక్షణాలు:

ఆయాసం, లాలాజలం ఊరటం, నిస్సత్తువు కంటి మరియు చర్మం చికాకు కలగవచ్చు.

ప్రాథమిక చికిత్స :

1. బ్రుంగినటల్లాయితే గొంతు వెనుక కితకితలు పెట్టడం ద్వారా వాంతులు తెప్పించండి. వాంతులు ఆగిపోయేంత వరకు తిరిగిచేయండి. రోగి అపస్మారక స్థితిలో ఉంటే వాంతులు తెప్పించవద్దు.
2. దుస్తులు మరియు చర్మం మలినపడితే, దుస్తులు తీసేసి, తగినంత మొత్తంలో సబ్బు మరియు నీటితో మలినపడిన చర్మాన్ని కడగండి.
3. కళ్ళు మలినపడితే, దాదాపు 10 నుంచి 15 నిమిషాల సేపు సెలైన్/ పరిశుభ్రమైన నీటిని పుష్కలంగా కళ్ళకు చల్లుకోండి కొట్టుకుంటూ శుభ్రపరచుకోవాలి.
4. పీల్చితే, రోగిని తాజా గాలి తగిలే చోటుకు తీసుకెళ్ళండి.

విరుగుడు:

నిర్దిష్టమైన విరుగుడు ఏమిటో తెలియదు. లక్షణాలను బట్టి చికిత్స చేయాలి.

జాగ్రత్తలు: ఈ కరపత్రం పై పున్న పంటలు కాకుండా ఇతర పంటల మీద వాడరాదు.

తయారు చేయువారు : ఎన్.ఎ.సి.ఎల్. ఇండస్ట్రీస్ లిమిటెడ్

(పూర్వపు నాగార్జున అగ్రికెమ్ లిమిటెడ్)

ప్లాట్ నం. 12-ఎ, సి బ్లాక్, లక్ష్మీటవర్స్, నాగార్జున హిల్స్, పంజాగుట్ట, హైదరాబాద్-500 082, తెలంగాణ, భారతదేశం , ఫ్యాక్టరీ: ఈతకోట-533 238, తూ.గో. జిల్లా , ఆంధ్రప్రదేశ్.

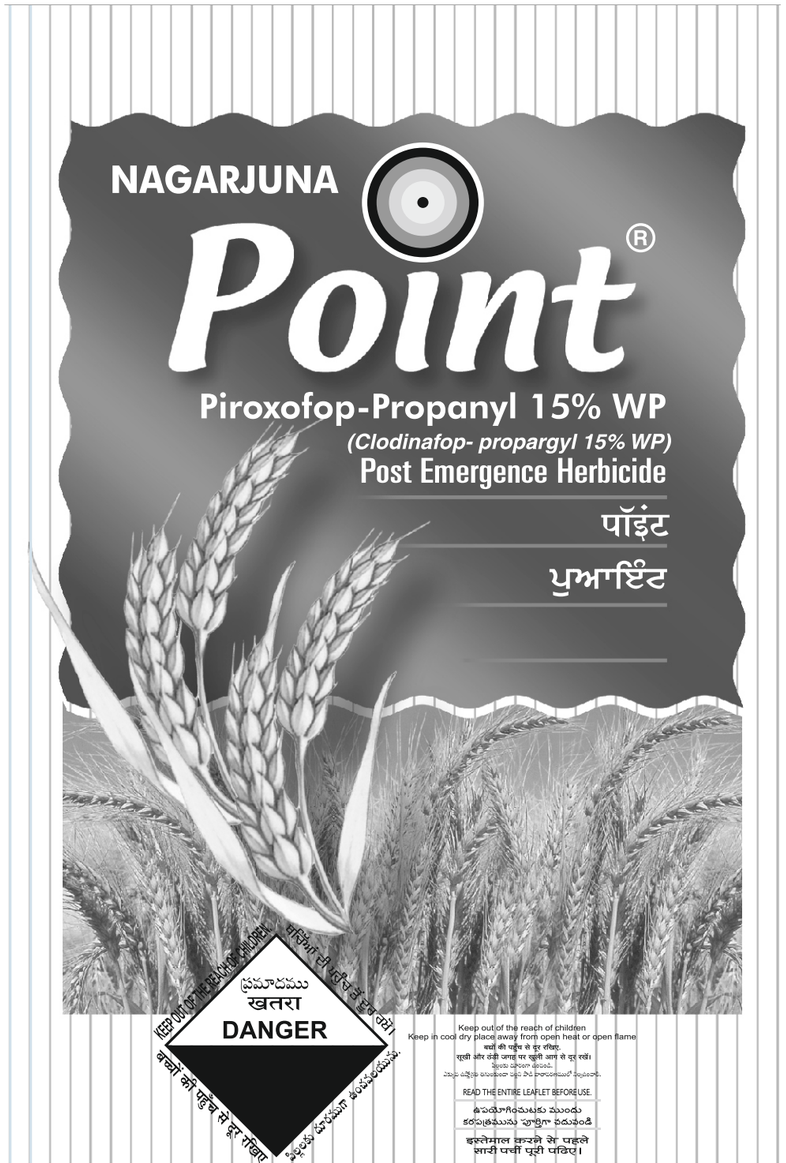

Manufactured by :
NACL Industries Limited
(formerly known as 'Nagarjuna Agrichem Limited')
CIN:L24219TG1986PLC016607
Regd.Off.: Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers, Nagarjuna Hills, Panjagutta, Hyderabad - 500 082, Telangana, India.
Ph: 040-33605123, Fax:040-23350234
Website: www.naclind.com, E-mail:info@naclind.com
Factory: Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.

NAGARJUNA NACL

EMPTY PACKAGES/CONTAINERS SHOULD BE DESTROYED AFTER USE

POINT® is Registered Trade Mark of NACL Industries Limited

MANAGER (CUSTOMER CARE) NACL INDUSTRIES LIMITED
PLOT NO.12-A, 'C' BLOCK, LAKSHMI TOWERS, NAGARJUNA HILLS, PANJAGUTTA, HYDERABAD - 500 082, TELANGANA, INDIA.
PH: 040-33605123, E-MAIL:CUSTOMERCARE@NACLIND.COM

Warranty: The Recommendation made in this literature are offered in good faith based on the results of officially approved private tests. However, no responsibility will be accepted by us for any injury or damage arising from the use of our product as we cannot exercise any control over storage, handling or application.